# मितानिन पानी

मितानिन की बातें-मितानिन की ख़बरें

अंक-15 | परिकल्पना एवं निर्माण : राज्य स्वास्थ्य संसाधन केन्द्र, छत्तीसगढ़ | जनवरी-2021


## कोरोना काल में मितानिनों द्वारा लोगों के स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए किये गये प्रयास के लिए शासन द्वारा सम्मानित किया गया

मलेरिया मुक्त अभियान के अंतर्गत नारायणपुर जिले के 172 गाँव में मितानिनों द्वारा निःस्वार्थ भाव से किये गये कार्य के लिए माननीय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी द्वारा दिनांक 9 जनवरी 2021 को श्रीमती सूबे कुमेटी, श्रीमती हेमबत्ति पोताई, श्रीमती राजो कुमेटी-भरंडा, श्रीमती सामतरीन बड़ेजम्हरी एवं श्रीमती मंकी कचलम-नाउमुंजमेटा को सम्मानित किया गया।

बलौदाबाजार जिले के कसडोल विकासखंड के 35 कोरोनटाईन सेंटरों में 5257 महिलाओं की सेनेटिरी नैपकिन की आवश्यकता को पहचानने एवं मितानिनों के सहयोग के साथ उन सभी महिलाओं को सेनेटरी नैपकिन उपलब्ध कराने के लिए स्वस्थ पंचायत समन्वयक श्रीमती सती वर्मा को 15 अगस्त 2020 को माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव जी के द्वारा सम्मानित किया गया।

विकाखंड दुर्ग में आयोजित स्वस्थ पंचायत सम्मेलन में मितानिनों द्वारा कोरोना काल में दिये गये योगदान हेतु उन्हें माननीय गृह एवं लोकनिर्माण मंत्री के द्वारा कोरोना योद्धा से सम्मानित किया गया।

विकासखंड बेमेतरा की मितानिन प्रशिक्षक श्रीमती पूर्णिमा जायसवाल एवं मितानिन श्रीमती पुन्नी साहू को 15 अगस्त को कोरोना काल में निडरता से किये गये कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

# स्वास्थ्य के क्षेत्र में मितानिन की भूमिका

**दस्त में बैगा गुनिया कुछ नहीं कर सकता (ग्राम-जांगला, विकासखंड-भैरमगढ़, जिला-बीजापुर)**

गांव की मितानिन पारा भ्रमण के लिए एक परिवार में गयी तो उसने देखा कि एक परिवार के एक बच्चे को दो दिन से बहुत ज्यादा उल्टी और दस्त हो रहा था। मितानिन के घर पहुंचते ही उसके सामने भी बच्चे ने उल्टी और दस्त किया। मितानिन ने सबसे पहले हाथ धोकर नमक शक्कर का घोल बनाया और बच्चे को पिलाया। मितानिन के पास ओ.आर. एस. का पैकेट भी था उस पैकेट का घोल भी मितानिन ने एक बर्तन में बनाकर बच्चे की मां को दिया और समझाया कि बच्चे को यह थोड़ी–थोड़ी देर में पिलाए और बच्चे का खानपान जारी रखने की सलाह दी। बच्चा एकदम सुस्त हो गया था वह उठ भी नहीं पा रहा था। मितानिन ने बच्चे की हालत देख अस्पताल जाने के लिए 108 को फोन लगाने लगी तो घर वालों ने मना कर दिया और बच्चे को बैगा गुनिया के पास झाड़–फूंक करवाने ले गए। मितानिन उन्हें कुछ नहीं बोल पायी। मितानिन का मन नहीं मान रहा था वह उसी समय बैगा के पास गयी और फिर से बच्चे के मां बाप को समझाई कि उल्टी–दस्त जादू टोना नहीं है एक बीमारी है जो झाड़–फूंक से ठीक नहीं होगी इसलिए बच्चे को अस्पताल लेकर चलो नहीं तो बच्चे की जान को खतरा हो सकता है। बच्चे के पिता ने फिर मितानिन को 108 को फोन लगाने के लिए कहा। 108 गाड़ी नहीं मिली तो मितानिन ने 102 को फोन किया और उसमें बच्चे को अस्पताल ले गयी। अस्पताल में इलाज से बच्चा ठीक हो गया।

**- मंगलदई तागो-मितानिन, मितानिन प्रशिक्षक-कुंती जायसवाल**

**इलाज की आशा छोड़ चुकी कुष्ठ के मरीज का मितानिन ने इलाज करवाया**

**(ग्राम पंचायत-खैरझिठी, अमलीपारा, विकासखंड-मगरलोड, जिला-धमतरी)**

अमली पारा में एक 45 वर्षीय कुष्ठ पीड़ित महिला रहती थी जो बीमारी के कारण ठीक से चल भी नहीं पा रही थी। मितानिन को जब महिला के बारे में पता चला तो वह उसके घर गयी और उसे कुष्ठ की जांच करवाने के लिए अस्पताल चलने को कहा। महिला ने मितानिन को मना कर दिया। मितानिन ने फिर कुष्ठ के डॉक्टर को उस महिला के बारे में बताया। दूसरे दिन कुष्ठ के डॉक्टर मितानिन के साथ उस महिला के घर आये और उसे समझाया तो वह जांच करवाने के लिए तैयार हो गयी। महिला की जांच में एम.बी. कुष्ठ निकला। मितानिन ने 12 माह तक उस महिला को कुष्ठ की दवा खिलाई। इलाज के बाद से वह अपना सभी काम कर पा रही है।

**- पिरो बाई बंजारे-मितानिन**

**कमजोर बच्चे को आवश्यकता होने पर पोषण पुनर्वास केंद्र ले जाना चाहिए**

**(ग्राम-हेताड़कसा, विकासखंड-छुरिया, जिला-राजनांदगांव)**

गांव की अनीता का प्रसव 6 फरवरी 2019 को हुआ था। जन्म के समय बच्चे का वजन 3 किलो 100 ग्राम था। प्रसव के बाद मितानिन गोदा बाई समय–समय पर अनीता को गृहभेंट कर नवजात की देखभाल से संबंधित सभी जानकारी और कौशल भी सिखाती थी। कुछ दिन के बाद नवजात का वजन धीरे–धीरे कम होने लग गया। मितानिन अनीता के बच्चे को अस्पताल लेकर चलने के लिए कहा परन्तु वह नहीं मानी। मितानिन ने फिर बच्चे को 7 दिन तक एमोक्सी दवा पिलाई परन्तु बच्चे के स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं आया। मितानिन ने फिर से अनीता को बच्चे को अस्पताल ले जाने के लिए कहा परन्तु वह तैयार नहीं हुयी। मितानिन ने फिर मितानिन प्रशिक्षक कामती साहू को फोन कर पूरी बात बतायी। कामती तुरंत गांव आई और अनिता और उसके पति को समझाया कि समय रहते बच्चे का इलाज पोषण पुनर्वास केंद्र में करवा लीजिये नहीं तो जान का खतरा है। परन्तु वे नहीं माने। मितानिन और मितानिन प्रशिक्षक ने फिर गांव में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति की बैठक की और अनीता व उसके परिवार वालों को समझाया तब वे माने। तीन दिन के बाद बच्चे को राजनांदगांव पोषण पुनर्वास केंद्र लेकर गए। बच्चे को 15 दिन पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती रखकर इलाज किया गया। 15 दिन के इलाज में बच्चे के वजन और स्वास्थ्य दोनों में सुधार आया। बच्चे के माता–पिता ने मितानिन और मितानिन प्रशिक्षक को धन्यवाद दिया और अब कोई भी परेशानी हो तो वे मितानिन से सलाह लेते हैं।

**कामती साहू-मितानिन प्रशिक्षक, गोदा बाई-मितानिन**

**महिलाओं की खास समस्याओं को छुपाना नहीं चाहिए (ग्राम-मोहंदीपाट, विकासखंड-गुंडरदेही, जिला-बालोद)**

गांव के आंगनबाड़ी केंद्र में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति की बैठक चल रही थी जिसमें महिलाओं की खास समस्याओं पर मितानिन द्वारा जानकारी दी गयी। बैठक के बाद गांव की एक महिला ने मितानिन को अलग से बुलाकर कहा कि दीदी अभी तुमने जो बताया वैसे ही मुझे भी सफेद पानी जाने की समस्या हो रही है। मितानिन ने उसे समझाया कि घबराने की कोई बात नहीं है और अपने थैले से निकाल कर मेट्रो की तीन दिन की गोली महिला को दी। उसके बाद मितानिन ने महिला के घर जाकर 4 दिन की और दवा दी। सात दिन की दवा का पूरा डोज खाने के बाद महिला की समस्या का समाधान हो गया।

**- गीता ठाकुर-मितानिन**

# मरीजों के इलाज में सहायक है हेल्पडेस्क

## फेसिलिटेटर ने प्रसव के मरीजों से पैसे लिए जाने पर रोक लगाई (जिला अस्पताल-दंतेवाड़ा)

जिला अस्पताल में प्रसव के हितग्राहियों से पैसे लिए जा रहे थे। एक हितग्राही ने एक दिन हेल्प डेस्क फेसिलिटेटर को बताया कि आप लोग जब चले गए थे तो हम लोगों से पैसे मांगे गए। हितग्राही के द्वारा नर्स को 500 रूपए देने पड़े थे। नर्स ने 500 रूपए लेने के बाद हितग्राही को बोला कि इतने से क्या होगा, हम क्या रखंगे और सफाई कर्मचारी को क्या देंगे। फेसिलिटेटर ने हितग्राही की बात सुनने के बाद नर्स से पूछा कि क्या आप लोगों ने हितग्राही से पैसे मांगे थे। नर्स ने बोला कि हम लोग इतना कठिन काम करते हैं और रात में मेडिकल बंद हो जाता है तो हम लोग अपना समान देते हैं तो उसी का पैसा लिए हैं। फेसिलिटेटर ने नर्स से कहा कि आप लोगों ने जो सामान और दवा लिखकर दिए हो उसको कागज में लिखकर दो मैं सिविल सर्जन को जाकर दिखाउंगी। नर्स ने लिखकर दिया लेकिन थोड़ी देर में फेसिलिटेटर से वह कागज वापस ले लिया और हितग्राही से लिए हुए पैसे भी लौटा दिए। **- रूपाली बिसेन**

## फेसिलिटेटर ने कैंसर पीड़ित बच्चे का संजीवनी से इलाज करवाने में की मदद

### (सिविल अस्पताल-पखांजूर, जिला-कांकेर)

पी.एन. 57 में 11 साल के एक बालक की बहुत तबियत खराब थी तो उसे मेकाहारा रायपुर में जांच के लिए उसके माता पिता लेकर गए। जांच में पता चला कि बच्चे को कैंसर हो गया है। मां–बाप इलाज कैसे कराएंगे यह सोचकर परेशान हो गए और वापस गांव आ गए। एक दिन दोनों माता पिता अपने बच्चे के साथ पखांजूर के सिविल अस्पताल में बाहर आकर बैठे थे। फेसिलिटेटर की नजर जब उन पर पड़ी तो उसने जाकर उनसे पूछा क्या समस्या है ऐसे क्यों बैठे हो ? बच्चे के माता–पिता ने रो–रो कर पूरी बात फेसिलिटेटर को बताई। फेसिलिटेटर ने सबसे पहले बच्चे को डॉक्टर को दिखाया। डॉक्टर ने बच्चे के केस के बारे में जानने के बाद बोला कि संजीवनी कोष से बच्चे के इलाज की व्यवस्था की जा सकती है। फेसिलिटेटर ने माता–पिता से जरूरी कागज लिए और संजीवनी कोष का फार्म भरकर कांकेर कलेक्टोरेट में भेज दिया। कुछ समय में ही संजीवनी कोष का पैसा पास हो गया और बच्चे का इलाज चालू कर दिया गया। बच्चे की तबियत में पहले से सुधार हो रहा है।

## फेसिलिटेटर ने कुष्ठ मरीज को डॉक्टर से जांच करवाने में मदद की

### (सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र-दरभा, जिला-बस्तर)

सामुदायिक सवास्थ्य केंद्र में एक महिला आई और चुपचाप टेबल में बैठ गयी। हेल्प डेस्क फेसिलिटेटर ने जब उसे बहुत देर एक ही जगह पर बैठे हुए देखा तो उसके पास गई और उसकी समस्या पूछी। महिला ने बताया की उसे कुष्ठ हो गया है लेकिन किस डॉक्टर के पास जाना है उसे नहीं मालुम है। फेसिलिटेटर ने उसकी पर्ची बनवाई और उसे बी.एम.ओ. सर के पास ले गयी। बी.एम.ओ. ने महिला की जांच की और उसे दवा लिखकर दी। फेसिलिटेटर ने महिला को दवा दिलाने और कब और कैसे दवा खाना है अच्छे से समझाया। महिला ने फेसिलिटेटर को मदद के लिए धन्यवाद दिया। **पूनम यादव**

## बच्चे की मृत्यु के बाद माँ को बचाने में हेल्पडेस्क फेसिलिटेटर ने की सहायता

### (जिला अस्पताल बैकुंठपुर, जिला-कोरिया)

एक महिला बहुत परेशानी की हालत में जिला अस्पताल आई और उसे कहा जाना है कुछ पता नहीं था। हेल्प डेस्क में बैठी फेसिलिटेटर ने महिला को देखा और उसे समझ में आ गया की इसे प्रसव पीड़ा हो रही है। हेल्पडेस्क फेसिलिटेटर ने महिला को उसके परिवार वालो की सहायता से स्ट्रेचर में सुलाया और सीधा प्रसव कक्ष लेकर गयी। डॉक्टर ने आकर महिला की जाँच की और बताया की बच्चा पेट में मर गया है। महिला के घर वाले यह मानने के लिए तैयार नहीं थे। सही जानकारी के लिए फेसिलिटेटर ने महिला की सोनोग्राफी करवाई। सोनोग्राफी देखकर डॉक्टर ने फिर से यही बताया की बच्चे की मृत्यु हो गयी है। डॉक्टर ने महिला के परिवार वालों को जिला अस्पताल में अनेस्थिस्या वाले डॉक्टर नहीं होने की वजह से डिलीवरी नहीं हो पाएगी कहा। फेसिलिटेटर ने डॉक्टर को समझाया की ये बहुत ही गरीब लोग है आप डॉक्टर को बुला दीजिये और इनका यही ऑपरेशन करवा दीजिये। डॉक्टर ने कहा मैं नहीं बोल सकती आप लोग बुला लीजिये। फेसिलिटेटर एनिस्थिसिया वाले डॉक्टर के घर गयी और महिला की स्थिति के बारे में बताया। एक घंटे बाद एनिस्थिसिया वाले डॉक्टर आए और दोनों डॉक्टरों ने मिलकर ऑपरेशन कर बच्चे को निकाल दिया। **- बाबी रजवाड़े-फेसिलिटेटर**

# कोरोना काल में भोजन के अधिकार पर मितानिन और समिति द्वारा किये गये प्रयास

**बाहर से कमाने आए मजदूरों के लिए समिति और मितानिन ने राशन के साथ-साथ रोजगार की भी व्यवस्था की (ग्राम पंचायत-छाल, विकासखंड-धरमजयगढ़, जिला-रायगढ़)**

गांव में रिंग कुआं खोदने के लिए पश्चिम बंगाल से एक ही परिवार के 5 मजदूर आए हुए थे। ये मजदूर कम मजदूरी में काम कर रहे थे। इसी दौरान लाकडाउन हो गया और इन मजदूरों का काम रूक गया जिसकी वजह से इनको भोजन की बहुत परेशानी होने लगी। इसी दौरान गांव में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति की बैठक की गयी और बैठक में इन 5 मजदूर परिवार की भोजन की समस्या पर चर्चा की गयी। बैठक के तुरंत बाद समिति के सदस्यों ने 10 किलो चावल और 5 किलो आलू इस परिवार को दिया। इस परिवार को जब राशन का सामान मिला तो वे बताने लगे की हमारे पास भोजन का सामान नहीं है इसलिए हम लोग दिन में केवल एक समय भोजन कर रहे हैं और रात में उन्हें भूखा सोना पड़ता है। मितानिन ने उनकी समस्या सुनकर अपने पास से 10 किलो चावल 3 किलो दाल, तेल, साबुन आदि उन्हें दिया। स्वस्थ पंचायत समन्वयक के द्वारा उसी समय जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष को इस परिवार की समस्या के बारे में बताया गया। जनपद उपाध्यक्ष के द्वारा इस परिवर को 25 किलो चावल, 5 किलो दाल और 10 किलो आलू दिया गया इसके साथ ही पुलिस द्वारा भी इस परिवार की मदद की गयी। पारा की मितानिन सुलेखा साहू पंच भी है अतः उसने सरपंच से बात कर इस परिवार को पंचायत में साफ–सफाई का काम दिलवा दिया। मजदूर परिवार को काम मिलने से उनका जीवन ठीक से चल रहा है।

**- शुकवारा साहू-एस.पी.एस.**

## हेल्पलाईन न. में शिकायत कर समिति ने हितग्राहियों को दिलवाया पूरा राशन

**(ग्राम-रानीपखेवा, विकासखंड-छूरा, जिला-गरियाबंद)**

गांव में मई माह के अंत में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति की बैठक की गयी। इस बैठक में गांव के लगभग 28–30 लोग उपस्थित थे। बैठक में खाद्य सुरक्षा योजना पर चर्चा किया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने बताया की चना और नमक 3 माह से नहीं मिल रहा है और शक्कर और मिट्टी तेल कार्ड में नहीं लिखी जा रही है। एक सदस्य ने बताया की शक्कर 20 रूपए किलो की दर से दिया जा रहा है। समिति के द्वारा लोगों की राशन की समस्या के समाधान के लिए खाद्य सुरक्षा योजना के हेल्प लाईन न. पर फोन किया गया और राशन संबंधी गड़बड़ी के बारे में बताया गया। दूसरे दिन ही खाद्य विभाग से अधिकारी लोग निरिक्षण के लिए आए। निरिक्षण के दौरान समिति के सदस्य भी उपस्थित थे। जांच में सेल्समेन के द्वारा लोगों को राशन नहीं दिए जाने की बात सामने आई। जांच अधिकारी के द्वारा सेल्समेन को बहुत डांट लगायी गयी। सेल्समेन के द्वारा सभी हितग्राहियों को तुरंत चना और नमक वितरण किया गया और उसी दिन से सभी सामान सही दाम पर दिया जाता है। **- कृष्णा बाई**

कौवाताल

सरस्वतीपुर, सूरजपूर

गुंडरदेही

तीरथूम, बास्तानार

**समिति ने राशन का अधिक पैसा लेने वाले सेल्समेन से हितग्राहियों को वापस पैसा दिलवाया (ग्राम-चांटीपाली, विकासखंड-मॉलखरोदा, जिला-जांजगीर चांपा)**

गांव में प्राथमिकता वाले हितग्राहियों से सेल्समेन के द्वारा जून माह में 35 रूपए के राशन का 85 रूपये लिया गया। गांव में जून माह के अंत में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति की बैठक की गयी। इस बैठक में हितग्राहियों ने समिति से सेल्समेन की शिकायत करते हुए जानकारी दी गयी कि इस माह हमसे राशन का 50 रूपए ज्यादा लिया गया है। समिति ने तुरंत सेल्समेन से जाकर पूछताछ की और उसे हितग्राहियों से ज्यादा पैसा लेने के खिलाफ शिकायत करने पर उसका लायसेंस रद्द होने के बारे में समझाया। सेल्समेन ने हितग्राहियों से ज्यादा पैसा लेने की अपनी गलती मान ली और सभी हितग्राहियों से लिया गया ज्यादा पैसा उन्हें लौटा दिया।

## गैस सिलेंडर की अधिक राशि लेने वाले कर्मचारी पर समिति ने की कार्यवाही

**(ग्राम-कोसमसरा (ब), विकासखंड-कसडोल, जिला-बलौदा बाजार)**

24 अप्रैल को गांव में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति की बैठक की गयी। बैठक में अन्य विषयों पर चर्चा के साथ ही गैस सिलेंडर वितरण में धांधली के विषय पर महिलाओं ने समिति को बताया कि 9 अप्रैल को भारत गैस एजेंसी से गैस सिलेंडर की गाड़ी आई थी। गैस वाले ने किसी से सिलेंडर का 846 किसी से 850 तो किसी से 870 रूपए लिए। बैठक के दिन गैस एजेंसी से एक व्यक्ति गांव आया था तो उसे बैठक में बुलाया गया। समिति के सदस्यों ने उस व्यक्ति से गैस सिलेंडर का दाम पूछा तो उसने बताया 833 रूपए। समिति के सदस्यों ने फिर उससे पूछा की गांव में हितग्राहियों से ज्यादा पैसा लिया गया है। गैस वाले ने बोला की गाड़ी चार्ज भी लेते हैं इसलिए ज्यादा पैसा ले रहे हैं। समिति के सदस्य ने बोला आपके खाते में वाहन का पैसा आता है तो गैस वाले ने बोला की हम लोग किराये से गाड़ी लाते हैं इसलिए ज्यादा पैसा खर्च होता है। मितानिन प्रशिक्षक सावित्री चौहान ने समिति को गैस हेल्पलाईन न. देकर बात करने के लिए कहा और एक हितग्राही का कार्ड जिसमें 846 रूपए लिखे थे उसे दिखाने के लिए फोटो भी खिंच लिया गया। गैस वाला व्यक्ति यह सब देखकर डर गया और शिकायत करने के लिए मना करते हुए बोला की अगली डिलीवरी में हितग्राहियों का पैसा मैनेज कर देंगे।

**समिति, पंचायत और जनपद सदस्यों के प्रयास से भूख से बचाया गया (ग्राम-कुरेझर, पंचायत-बेरतलाव, विकासखंड-डोंगरगढ़, जिला-राजनंदगांव)**

लाकडाउन के बाद गांव में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति की बैठक की गयी। इस बैठक में मितानिन और समिति के सदस्यों ने बताया की गांव में 7 परिवार ऐसे हैं जिनके पास राशन कार्ड नहीं है और उनमें से एक परिवार ऐसा है जिनके पास केवल आज शाम तक का चावल है। इस परिवार में तीन छोटे बच्चे हैं कल इनको चावल नहीं दिया गया तो उन्हें भूखा रहना पड़ेगा। समिति के सदस्यों ने तुरंत सरपंच से बात की तो उन्होंने बोला की मैंने कल ही 2 क्विंटल चावल महाराष्ट्र से पलायन करके आए लोगों को भोजन करवाने के लिए दे दिया है। मितानिन के द्वारा इस परिवार की मदद करने के लिए पंच समिति के सदस्यों को प्रेरित किया गया और सभी ने 1–1 किलो चावल कुल 7 किलो चावल और एम.टी., बी.सी., एस.पी.एस. और जनपद सदस्य ने 450 रूपए उस परिवार को इकट्ठा करके दिए। गांव के पंच के द्वारा जनपद सदस्य को फोन करके बुलाया गया और लोगों की समस्या के बारे में उन्हें बताया गया। जनपद सदस्य के द्वारा सभी हितग्राहियों को दूसरे दिन 10–10 किलो चावल दिया गया।

**- वंशीला-मितानिन, पंच-संतलाल**

# किशोरी स्वास्थ्य सुरक्षा अभियान

## मुलमुला में बालिकाओं ने निकाली जागरूकता रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोण्डागांव

कोंडागांव जिले के ग्राम पंचायत मुलमुला में मितानिन श्रीमती अन्नपूर्णा पटेल के नेतृत्व में कोविड19 का पालन करते हुए गांव के किशोरी बालिकाओं को माहवरी के दौरान होने वाले परेशानी व बीमारी से बचने के लिए अपनाये जाने वाली सावधानी के बारे में जन जागरूकता रैली निकाली गई। जिसमे किशोरी बालिकाओं को महावारी के दौरान

सेहत को ख्याल में रखते हुए गन्दे कपड़े का इस्तेमाल नहीं करने जैसे तमाम जानकारियां दी गई। गांव के गलियारों में घूमते हुए नारा के माध्यम से महावारी स्वच्छता अपनाएंगे, किशोरी बालिकाओं को बीमारी से बचाएंगे जैसे स्वच्छता समन्धित विभिन्न नारा लगाते रहे। रैली में 40– 50 की संख्या में किशोरी बालिकायें उपस्थित रहे। इस अभियान में मुलमुला कलीपारा के मितानिन अन्नपूर्णा पटेल का सक्रिय योगदान रहा।

छत्तीसगढ़ वॉच

**संक्षिप्त खबरें**

**ग्राम विकास समिति द्वारा आमागुड़ा मे किशोरी बालिकाओं को सेनेटरी नेपकीन का किया गया वितरण**

मैनपुर ( वॉच न्यूज )। तहसील मुख्यालय मैनपुर से 06 किमी दूर ग्राम पंचायत देहारगुड़ा के आश्रित ग्राम आमागुड़ा मे ग्राम विकास समिति के सदस्यों द्वारा ग्राम के किशोरी बालिकाओं को सेनेटरी नैपकीन का वितरण किया गया। इस दौरान माहवारी के संबंध मे एवं किशोरी बालिकाओं में जागरूकता लाने के लिए एमटी दुलेश्वरी पटेल, मितानिन पार्वती ओटी द्वारा विस्तृत जानकारी देते सेनेटरी नेपकीन का उपयोग करने सलाह दिया गया। एमटी दुलेश्वरी पटेल ने बताया कि कोविड-19 महामारी के दौरान स्वास्थ्य अमला और मितानिन रोजाना विभिन्न ग्रामो में जाकर ग्रामीणों को कोरोना संक्रमण से बचाव के साथ-साथ महिलाओं की माहवारी में स्वच्छता रखने का तरीका बता रही हैं। ग्रामीण इलाकों की महिलाएं माहवारी स्वच्छता और सुरक्षा के प्रति जागरूक हुई हैं इतना ही नहीं काफी हद तक माहवारी के दौरान कपड़े के बजाए सैनेटरी नैपकीन्स का उपयोग करने लगी हैं और किशोरियों को भी इसका उपयोग करने की सलाह हम दे रहे हैं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से उपसरपंच देहारगुड़ा शिवदयाल साण्डे, कामसिंग मरकाम, उमा, सोमारी, लीला बाई, रूपई बाई, बेलकी, टिकेश्वरी, प्रभा, रेवती, नागेश्वरी, सोनिका, कु. गणेशी, प्रमिला, पुष्पा, मधुरा, प्रेमलता, कमलेश्वरी सहित बड़ी संख्या मे ग्राम समिति के सदस्य, ग्रामीण व किशोरी बालिका प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

### किशोरी की समस्या सुनने व् इसके समाधान के लिए मितानिन और एस.पी.एस. का प्रयास

**(ग्राम-परखंदा, विकासखंड-कुरूद, जिला-धमतरी)**

ग्राम कलेपाल

किशोरी स्वास्थ्य एवं सुरक्षा अभियान के तहत पारा में स्वस्थ पंचायत समन्वयक एवं मितानिन के द्वारा पारा की किशोरियों की बैठक की गयी। इस बैठक में 25 किशोरियों ने भाग लिया। बैठक में एस.पी.एस. के द्वारा सभी किशोरियों को महावारी के समय सेनेटरी नैपकिन के उपयोग, स्वच्छता, खानपान के बारे में समझाया। साथ ही समझाया गया कि माहवारी को लेकर घर में जो छुआछूत माना जाता है वह सब हमारे द्वारा बनाए नियम है जो की गलत है, इसे नहीं मानना चाहिए। बैठक में किशोरियों से माहवारी के समय होने वाली समस्या के बारे में पूछा गया तो दो बालिकाओं ने बताया की उन्हें माह में 2 बार माहवारी होती है और बहुत पेट में दर्द होता है जिस वजह से अच्छा नहीं लगता। एस.पी. एस. ने उनसे पूछा की क्या आप लोगों ने कभी डॉक्टर को दिखाया है तो उन्होंने बोला की बताने में अच्छा नहीं लगता इसलिए अभी तक किसी को भी नहीं बताए हैं। एस.पी.एस. ने उसी समय मितानिन के साथ दोनों बालिकाओं को पी.एच.सी. परखंदा भेजा। अस्पताल में दोनों बालिकाओं की जांच कर दवा दी गयी। एक माह के बाद जब बालिकाओं से मिले तो उन्होंने बताया की अब वे ठीक है।

**- कुमारी निर्मलकर-मितानिन**

### मितानिन की खानपान की सलाह पर किशोरी की माहवारी की समस्या का समाधान हुआ

**(ग्राम-कजराबांधा, विकासखंड-गुंडरदेही, जिला-बालोद)**

जरहागांव

गांव में किशोरी स्वास्थ्य अभियान के तहत गांव की किशोरी और माताओं की बैठक की गयी। बैठक के दौरान जानकरी मिली की पारा में 18 साल की एक लड़की है जिसकी माहवारी अभी तक चालू नहीं हुयी है। बैठक के बाद मितानिन, मितानिन प्रशिक्षक, एस.पी. एस. उस बालिका के गृहभेंट के लिए गए। लड़की के घर वालों से बात करने पर पता चला की उन्होंने लड़की का इस संबंध में कोई इलाज नही करवाया है। मितानिन ने लड़की को जांच के लिए अपने साथ सी.एच.सी. चलने के लिए कहा परन्तु वह जाना नहीं चाहती थी। सबके बहुत समझाने पर वह जाने के लिए तैयार हो गयी। दूसरे दिन वह मितानिन के साथ सी.एच.सी. गयी। सी.एच.सी. में जांच के बाद लड़की के शरीर में 9 ग्राम खून होने की जानकरी दी गयी और सोनोग्राफी करवाने के लिए बोला गया। मितानिन दूसरे दिन लड़की को सोनोग्राफी करवाने के लिए लेने गयी तो उसने एक सप्ताह बाद जाने के लिए कहा। मितानिन ने लड़की को एक सप्ताह तक रोज गुड़ और एक मुट्ठी मूंगफली खाने के लिए बोला। मूंगफली खाने और गुड़ खाने के 9–10 दिन बाद लड़की की महावरी शुरू हो गयी। लड़की की माँ बहुत खुश है और मितानिन को धन्यवाद देती है।

**- हिरावती-मितानिन**

### बैठक में नाटक दिखाकर माहवारी के दौरान भेदभाव नहीं करने की सलाह दी गयी

**(ग्राम-भाठाकोकड़ी, विकासखंड-धमधा, जिला-दुर्ग)**

मितानिन के द्वारा किशोरी स्वास्थ्य पर जागरूकता लाने के लिए अपने पारा की किशोरियों व उनकी माताओं की बैठक की गयी। बैठक में माताओं को माहवारी के दौरान छुआछुत और सेनेटरी नैपकिन के उपयोग और स्वच्छता पर एक समझ विकसित करने के लिए नाटक कर के दिखाया। नाटक देखर माताएं बहुत प्रभावित हुयी और अपनी बेटियों को अब सेनिटरी नैपकिन उपयोग करने के लिए दे रहे हैं।

**- संतोषी-मितानिन प्रशिक्षक, लिसी-एस.पी.एस.**

# तू बोलेगी मुंह खोलेगी तभी जमाना बदलेगा

## महिला हिंसा किसी के घर का मामला नहीं यह पूरे समाज का मामला है

**गांव व पंचायत-रेंगोला, पारा-बांसलंघना, विकासखण्ड-जशपुर (लोदाम), जिला-जशपुर**

मितानिन नीलम के पारे एक पति–पत्नी रहते हैं। पति हर दिन शराब पीकर पत्नी के साथ गाली गलौच व मारपीट करता था तथा शक भी करता था। आदत के अनुसार पति एक दिन शराब पीकर पत्नी को गालियां देने लगा तो पत्नी ने उसे बोला की मुझे गाली मत दिया करो। पत्नी का जवाब सुनकर पति ने पत्नी को पकड़कर लाठी से मार–मार कर लहुलुहान कर बेहोश कर दिया। पारे वाले देख रहे थे किन्तु किसी ने उसे रोकने की हिम्मत नहीं की। झगड़ा की आवाज सुनाई देने पर मितानिन नीलम भागते हुए उनके घर गयी तो देखा की पति आंगन में गड्ढा खोदकर पत्नी को दफना रहा था। मितानिन ने आदमी को डाटा तो आदमी ने मितानिन को घर का मामला है तुम कौन होती हो बीच में पड़ने वाली कहकर गाली गलौज करते हुए आंगन से बाहर चला गया। मितानिन ने जल्दी से मिट्टी हटायी और महिला को बाहर निकाल कर महिला को पानी पिलाया। महिला की स्थिति को देखते हुए मितानिन ने उसे मायके भेज दिया। एक सप्ताह के बाद ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति की बैठक में एम.टी. अमरलता को मितानिन ने पूरी घटना बताई। बैठक में सरपंच की उपस्थिति में उस पुरुष को बुलाकर समझाया गया की अगर तुमने आज के बाद कभी भी अपनी पत्नी को मारा तो सीधा जेल भेज देंगे। पुरुष ने समीति के सदस्यों, मितानिन, एम.टी., सरपंच से माफी मांगी तथा अपनी पत्नी से लड़ाई झगड़ा नहीं करने का वचन दिया। दूसरे दिन वह पुरुष अपनी पत्नी को मायके से लेकर आ गया। अभी दोनों पति–पत्नी अच्छे से रह रहे हैं, लड़ाई झगड़ा नहीं हो रहा है।

**- मितानिन-नीलम, एम.टी.-अमरलता**

## मितानिन की हिंसा के खिलाफ उठी आवाज ने दूसरी महिलाओं को हिंसा के खिलाफ चुप्पी तोड़ने का संदेश दिया

**(ग्राम-मदनपुर, विकासखंड-पोड़ी उपरोड़ा जिला-कोरबा)**

पारा की एक मितानिन को उसका पति आए दिन शराब पीकर मारता पिटता था और उसके माता पिता भी उसका इस काम में साथ देते थे। मई माह में भी इसी तरह मितानिन के पति ने उसके साथ मारपीट की तो वह गांव में ही उसका मायका है, वह वहां चली गयी। गांव वालों ने उसे बहुत समझाया पर वह नहीं माना। एक माह बाद जून माह में मितानिन ने दूसरे मितानिन से इस घटना के बारे में बताया और गांव में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति की बैठक रखी गयी। मितानिन ने जिसके पति ने उसके साथ मारपीट की थी वह अपने पति के घर में तब तक नहीं आना चाहती थी जब तक की उसका पति उससे माफी नहीं मांगता और उसके माता–पिता उसके साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते। समिति के द्वारा सरपंच की उपस्थिति में पत्नी के साथ हिंसा करने वाले पुरुष के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई गयी। समिति की बैठक में पुलिस आई और फिर बैठक में उस पुरुष और उसके माता–पिता को बुलवाया गया। पुलिस वाले ने उस पुरुष और उसके माता–पिता से पूछा की तुम लोग महिला को अपने घर में रखोगे या नहीं, यदि रखोगे तो अच्छे से रखना और नहीं रखोगे तो जिन्दगी भर खर्चा देना होगा। मार–पीट की शिकायत होने पर जेल भी हो सकती है। पुरुष और उसके माता–पिता पुलिस की बात सुनकर डर गए और सबके सामने यह सब सुनकर उन्हें अच्छा नहीं लगा। उन्होंने सबके सामने माफी मांगी और अपनी पत्नी के साथ मार–पीट नही करने का वादा किया और उसी समय जाकर अपनी पत्नी को घर ले आया। उस दिन के बाद से पूरा परिवार अच्छे से रह रहा है।

**- मितानिन प्रशिक्षक-सावित्री**

## मेरी धुआं रहित रसोई

**मैं ममता गुप्ता रायगढ़ जिले के घरघोड़ा विकासखंड के चरमार ग्राम में रहती हूं। मैं एक मितानिन प्रशिक्षक हूं। मितानिन प्रशिक्षक होने के नाते मुझे हर दिन क्षेत्र में मितानिनों और पारा में लोगों के सहयोग के लिए समय पर जाने के लिए घर का पूरा काम समय पर करना पड़ता है। मेरा खाना पकाने को छोड़ बाकी सभी काम समय पर पूरा हो जाता है। मुझे और मेरे परिवार को लकड़ी के चूल्हे में पका भोजन पसंद आता है परन्तु लकड़ी के चूल्हे में खाना पकाने से घर में धुआं होना, गंदगी होना, खांसी आना आदि समस्याओं की वजह से खाना बनाने में बहुत समय लग जाता था और थकान भी होने लगती थी। जिस वजह से मैं कभी-कभी काम पर देर से पहुंचती थी। मितानिन कार्यक्रम के अंतर्गत जब महिलाओं की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए धुआं रहित चूल्हा के बारे में बताया गया तो मैंने भी अपने घर में धुआं रहित चूल्हा बनवाया। धुआं रहित चूल्हे में खाना बनाने में मुझे कम लकड़ी, गैस से सस्ता, धुएं से छुटकारा, रसोई गंदी नहीं होना और खाना लंबे समय तक गर्म रहने के फायदे होने लगे जिससे बच्चे भी खुश और मैं समय पर अपने काम पर भी पहुंच जाती हूं।**

**- ममता गुप्ता-मितानिन प्रशिक्षक**

# कोरोना की लड़ाई में शहीद हुए ... मितानिन कार्यक्रम के साथियों को श्रद्धांजली

## स्व. गेसबाई चंदा-मितानिन (ग्राम-कोसीर, संकुल-कोसीर, विकासखंड-सारंगढ़, जिला-रायगढ़)

स्व. गेसबाई चंदा-मितानिन

23 मई 2020 में गौटिया पारा से मितानिन के रूप में चयनित मितानिन 75 घरों में लोगों के स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए सहयोग कर रही थी। कोरोना काल में भी गेसबाई अपने पारा में लोगों को कोरोना से बचाने के लिए सावधानी की कई बातें सिखाने के साथ ही जरूरतमंदो के लिए राशन की व्यवस्था करने में सहयोग कर रही थी। कोरोना के समय अक्टूबर माह में परिवार का सर्वे करते–करते गेसबाई स्वयं भी कोरोना संक्रमित हो गयी। 7 अक्टूबर को गेसबाई की तबियत खराब सांस लेने में तकलीफ होने लगी तो सारंगढ़ सी.एच.सी. में गेसबाई ने कोरोना जांच करवाई जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। गेसबाई को सांस लेने में तकलीफ होने के कारण 7 अक्टूबर को ही एम.सी.एच. रायगढ़ रेफर किया गया। एम. सी.एच. रायगढ़ में गेसबाई का इलाज चल रहा था और इलाज के दौरान 9 अक्टूबर 2020 को गेसबाई की मृत्यु हो गयी।

## स्व. शांता स्वर्णकर-एम.टी. (संकुल-सालार, जिला-रायगढ़)

स्व. शांता स्वर्णकर-एम.टी.

वर्ष 2003 से मितानिन कार्यक्रम से जुडी शांता मितानिन प्रशिक्षक के रूप में सालर संकुल की 22 मितानिनों को सहयोग कर रही थी। शांता सक्रिय रूप से अपनी सभी मितानिनों को कार्य में सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान करती थी। कोरोना के समय भी शांता ने अपनी मितानिनों के साथ अपने कार्यक्षेत्र में लोगो को कोरोना से बचाव व रोकथाम के लिए कंधे से कन्धा मिलाकर काम किया। दिनांक 13 सितम्बर 2020 को शांता की तबियत खराब हुई तो रायगढ़ एम.सी.एच. में शांता की कोरोना जांच की गई। शांता की जांच रिपोर्ट पाजिटिव आई और 14 सितम्बर 2020 को अस्पताल में इलाज चालू किया गया और 20 सितम्बर 2020 को शांता की मृत्यु हो गयी।

## स्व. प्रीति साहू-मितानिन (ग्राम-कुम्हली, विकासखंड-पाटन, जिला-दुर्ग)

स्व. प्रीति साहू-मितानिन

17 वर्षों से प्रीति शिवपारा में मितानिन के रूप में अपने पारा के लोगों की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए जागरूक करने का काम कर रही थी। प्रीति के शरीर में हमेशा सूजन रहती थी। कोरोना के समय कार्य के दौरान दिनांक 16 अक्टूबर 2020 को अचानक से 2 बजे प्रीति को सांस लेने में तकलीफ होने लगी तो उसे सेक्टर 9 अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में प्रीति की कोरोना जांच की गई जांच में प्रीति को कोरोना पाजिटिव निकला और दिनांक 17 अक्टूबर 20 को इलाज के दौरान प्रीति की मृत्यु हो गई। प्रीति के परिवार में उसकी दोनों बेटियों और पति का भी कोरोना जांच किया गया जिसमें एक बेटी का कोरोना पाजिटिव आया जिसे होम आयिसोलेशन में रखा गया। प्रीति के जाने के बाद से उसके पारा के लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं को प्राप्त करने में दिक्कते आ रही है।

## स्व. पार्वती निषाद-मितानिन (विकासखंड-निकुम, जिला-दुर्ग)

स्व. पार्वती निषाद-मितानिन

पार्वती ग्राम पंचायत समोदा, आबादी पारा में मितानिन के रूप में अपने लोगों को सहयोग कर रही थी। पार्वती का पिछले एक साल में आहार नाली में गांठ का इलाज चल रहा था। दिनांक 17 सितम्बर 2020 को पार्वती की तबियत खराब होने पर उसे मेकाहारा लाया गया। मेकाहारा में पार्वती की खून जांच और छाती का एक्सरे किया गया और कोरोना जांच के लिए भी बोला गया। पार्वती उसी दिन सुपेला लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल कोरोना जांच के लिए गई। पार्वती को 22 सितम्बर 2020 को आर.टी.पी.सी.आर. करवाना था और आर.ए.टी. टेस्ट हुआ जिसमें पार्वती का कोरोना पाजिटिव आया और 5 दिन तक होम आईसोलेशन में पार्वती को दवा दी गई। होम आइसोलेशन के दौरान पार्वती को डायरिया हुआ था। 26 सितम्बर 2020 को पार्वती का आर.ए.टी और आर.टी.पी.सी. आर. दोनों टेस्ट हुआ। 27 सितम्बर 2020 को सभी मितानीन पार्वती से मिलने उसके घर भी गए परन्तु उसने किसी को भी नहीं बताया की उसे कोरोना है। दिनांक 30 सितम्बर 2020 को पार्वती की तबियत फिर से खराब हुई तो उसे मेकाहारा रायपुर लेकर गये। मेकाहार में पार्वती की कोरोना जांच किया गया जिसमें कोरोना पाजिटिव निकला। पार्वती को कोरोना वार्ड में भर्ती किया गया और उसी दिन उसकी मृत्यु हो गई।